

30 अक्टूबर 2026 को केंद्रीय शीतजल मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान, भीमताल में
पीएम-किसान योजना की 24वीं किस्त के लाइव प्रसारण का भव्य आयोजन – 100 से
अधिक किसान हुए शामिल

केंद्रीय शीतजल मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान, भीमताल

आज केंद्रीय शीतजल मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान, भीमताल में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 24वीं किस्त जारी होने के राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम का लाइव ऑनलाइन प्रसारण देखा गया। संस्थान के मुख्य सभागार में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में केंद्रीय शीतजल मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान, भीमताल के सभी वरिष्ठ अधिकारियों, वैज्ञानिकों और कर्मचारियों ने हिस्सा लिया।

इस ऐतिहासिक अवसर को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए संस्थान द्वारा एक विशाल किसान सम्मेलन का भी आयोजन किया गया, जिसमें संस्थान से जुड़े लगभग 100 किसानों को आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम में उपस्थित किसानों ने माननीय प्रधानमंत्री द्वारा डिजिटल माध्यम से देश के करोड़ों किसानों के खातों में सम्मान राशि हस्तांतरित किए जाने के सीधे प्रसारण को बेहद उत्साह के साथ देखा।

लाइव प्रसारण के बाद संस्थान के अधिकारियों ने उपस्थित किसानों के साथ संवाद किया। इस दौरान किसानों को शीतजल मात्स्यिकी की आधुनिक तकनीकों और पीएम-किसान योजना से मिलने वाली आर्थिक सहायता के सही उपयोग के बारे में जागरूक किया गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डा. अमित पाण्डे ने अपने संबोधन में कहा, पीएम-किसान योजना देश के अन्नदाताओं और मत्स्य पालकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। आज हमारे संस्थान में 100 से अधिक किसानों की उपस्थिति यह दर्शाती है कि वैज्ञानिक तकनीकों और सरकारी योजनाओं के मेल से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को कितनी मजबूती मिल रही है। केंद्रीय शीतजल मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान, हमेशा किसानों की आय दोगुनी करने के लिए प्रतिबद्ध रहेगा। कार्यक्रम के अंत में आए हुए सभी किसानों को आधुनिक मत्स्य पालन से संबंधित शिक्षण सामग्री और मत्स्य बीज, मत्स्य आहार एवं अन्य उपकरण आदि दिए गए। इस अवसर पर प्रधान वैज्ञानिक डा. सुरेश चन्द्रा ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी कर्मचारियों और किसान भाइयों का आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम के उपरांत अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के किसानों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। साथ ही संस्थान के खेत बचाओं कार्यक्रम के अन्तर्गत किसानों को प्राकृतिक खेती एवं उर्वरकों के सन्तुलित प्रयोग के बारे में डा. डिम्पल, डा. ए. अली, डा. रेनू जेठी आदि ने बताया।



